ASU NEWS-LETTER

Vol .2 No.6

November-December, 2017

ALLAHABAD STATE UNIVERSITY
CPI Campus
Mahatama Gandhi Road,
Civil Lines,
Allahabad-211001, U.P. India.
website: www.alldstateuniversity.org

ADMINISTRATION :

Prof. Rajendra Prasad
Vice-Chancellor
Mobile: +91-9415313714
Ph.(O) 0532-2256206
Ph.(R) 0532-2256218
email:
rprasad55@rediffmail.com
vc@alldstateuniversity.org

Dharmendra Prakash Tripathi
Finance Officer
Mobile No: +91-8004915375
Ph (O): 0532-2256222
email: financeofficer.asu@gmail.com

(Dr.) Sahab Lal Maurya
Registrar
Mobile No.: +91-9415291923
Ph(O): 0532-2256207
email: registrarasua@gmail.com

Sheshnath Pandey
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9839984620

R.B. Yadav
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9450369881

Deepti Mishra
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9452092149

कुलपति की कलम से

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने वर्ष 2017 के अंत तक अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जो गुणवत्तापूर्ण उच्च-शिक्षा हेतु मील के पत्थर साबित होंगे। उत्तर प्रदेश का यह पहला विश्वविद्यालय है जिसने नियमानुसार विभिन्न विधायी समितियों एवं कार्यपरिषद् द्वारा निर्णय करके स्नातक एवं स्नातोकत्तर स्तर के सभी विषयों के पाठ्यक्रमों में यथावांछित संशोधन एवं परिवर्द्धन करके अद्यतन रूप में सत्र 2017-18 से लागू कर दिया है। **स्नातोकत्तर** स्तर पर विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के पठन-पाठन व परीक्षा हेतु **सेमेस्टर प्रणाली लागू की गयी है।** तत्क्रम में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की प्रथम परिनियमावली, प्रवेश, परीक्षा और शोध अध्यादेश पारित हो चुके हैं। विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद् ने सर्वसम्मति से ज्ञान-विज्ञान की विविध शाखाओं में उच्चस्तरीय अध्ययन एवं शोध को बढ़ावा देने हेतु **'स्कालर-इन-रेजीडेंस'** प्रोग्राम और युवा पीढ़ी को राष्ट्रीय सुरक्षा व विकास सम्बंधी चेतना से सम्पन्न करने के लिए **'यूनिवर्सिटी-आर्म्ड सर्विसेज इंटरक्टिव प्रोग्राम'** पर अपनी मुहर लगा दी है। इसके अलावा राष्ट्रीय सेवा योजना, क्रीड़ा परिषद् और **'टाउन और गाउन'** की गतिविधियाँ भी इस राज्य विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में बहुआयामी योगदान कर रही हैं। आगामी वर्ष 2018 सर्वांगीण बौद्धिक एवं सांस्कृतिक स्पन्दन से परिपूर्ण होगा। इस आशा व विश्वास के साथ, शुभकामनाओं सहित

RPrasad

(प्रो० राजेन्द्र प्रसाद)
कुलपति

ज्ञानं तेऽहं सविज्ञानमिदं वक्ष्याम्याशेशः।
यज्ज्ञात्वा नेह भूयोऽन्यज्ज्ञातव्यमवशिश्यते।। (7/2)
– श्रीमदभगवदगीता

• इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की बैक पेपर परीक्षा सम्पन्न

राज्य विश्वविद्यालय की वार्षिक संस्थागत/व्यक्तिगत परीक्षा की बैक पेपर परीक्षा 17 नवंबर 2017 को दो पालियों में सम्पन्न हुई। बी0ए0 प्रथम वर्ष (संस्थागत एवं व्यक्तिगत), बी0एस0सी0 प्रथम वर्ष (संस्थागत), बी0कॉम0 प्रथम वर्ष (संस्थागत एवं व्यक्तिगत) की बैक पेपर परीक्षा पहली पाली और एम0ए0 प्रथम वर्ष(संस्थागत एवं व्यक्तिगत),एम0एस0सी0 (कृषि) प्रथम वर्ष (संस्थागत)की बैक पेपर परीक्षा दूसरी पाली में सम्पन्न हुई।

• इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में बी0ए0एम0एस0 एवं बी0यू0एम0एस0 की परीक्षाएं सम्पन्न

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की बी0ए0एम0एस0 एवं बी0यू0एम0एस0 सत्र 2016-17 की प्रथम व्यवसायिक की परीक्षाएं 14 दिसम्बर से 30 दिसम्बर 2017 तक राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय हंडिया इलाहाबाद एवं राजकीय यूनानी महाविद्यालय हिम्मतगंज, इलाहाबाद में सम्पन्न हुई। परीक्षा नियंत्रक डॉ0 साहब लाल मौर्य के अनुसार बी0यू0एम0एस0 में 39 छात्र/छात्राएं और बी0ए0एम0एस0 में 28 छात्र/छात्राए पंजीकृत थे। सम्पूर्ण परीक्षाएं सी0सी0टी0वी0 कैमरे युक्त कमरों से कराई गई।

• इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 09 दिसम्बर, 2017 को सम्पन्न

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् की बैठक में 'स्कॉलर इन रेजिडेंस' प्रोग्राम को स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सुरक्षा, कम्प्यूटर विज्ञान, कौशल विकास, योग अध्ययन, स्वास्थ्य विज्ञान, पर्यटन, चिकित्सा, पर्यटन प्रबंध विज्ञान, मीडिया अध्ययन, परफार्मिंग आर्ट, कनवर्जिंग टेक्नोलॉजीज, डेटा साइंस, फूड टेक्नोलॉजी, हास्पिटेलिटी मैनेंजमेंट, मानविकी एवं समाजिकीय आदि अधुनातन ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में विशेष विशेषज्ञों को आमंत्रित करेगा।

बैठक में विश्वविद्यालय में **'स्कॉलर इन रेजिडेंस'** (Scholar-In-Residence)प्रोग्राम के तहत ज्ञान-विज्ञान के विविध क्षेत्रों में हो रहे परिवर्तन और देशहित को संरक्षित एवं संवर्धित करने की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अपेक्षित बौद्धिक जनशक्ति तैयार करने के लिए प्रो0 पी0सी0त्रिवेदी की अध्यक्षता में गठित चार सदस्यीय समिति की संस्तुतियों को स्वीकार कर लिया गया। इस प्रोग्राम के तहत संबंधित विषय के विशेषज्ञों को तीन माह विश्वविद्यालय में व्यतीत करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा जो विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों को शिक्षित-प्रशिक्षित करने के लिए सेमिनार एवं वार्ता में भाग लेंगे। विश्वविद्यालय की परिनियमावली के निर्माण के लिए प्रो0 ओम प्रकाश, प्रो0 आर0एस0यादव, प्रो0जे0एन0मिश्र, प्रो0 गौतम सेन, बी0बी0सिंह, जगन्नाथ पाल, अखिलेश पाल एवं कुलसचिव को सम्मिलित करके समिति गठित की गई थी। कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में हुई कार्यपरिषद् की बैठक में वित्त समिति, परीक्षा समिति, सम्बद्धता समिति तथा विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की बैठक में तय स्नातक, परास्नातक स्तर के सभी विषयों के नवीन पाठ्यक्रम, परास्नातक पाठ्यक्रम में सेमेस्टर प्रणाली लागू करने के लिए तैयार अध्यादेश, शोध अध्यादेश तथा प्रवेश समिति की बैठक, वार्षिक खाते एवं तुलनापत्र का अनुमोदन किया गया।

• इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवदेन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में स्नातक एवं परास्नातक परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यार्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। कुलसचिव डॉ0 साहब लाल मौर्य के अनुसार सत्र 2017-18 की स्नातक प्रथम वर्ष एवं परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की व्यक्तिगत और सत्र 2016-17 की स्नातक द्वितीय वर्ष एवं परास्नातक अंतिम वर्ष की व्यक्तिगत परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन 20 दिसंबर से 10 जनवरी तक होंगे।

• इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का स्नातक एवं परास्नातक पाठयक्रम बदला

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर सत्र 2017-18 से नवीन पाठ्यक्रम लागू कर दिया है। अब सत्र 2017-18 के स्नातक व स्नातोकत्तर स्तर की कक्षाओं में प्रथम वर्ष एवं प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की परीक्षाएं नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार होंगी। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में 10 अगस्त 2017 को बैठक में स्नातक एवं परास्नातक स्तर के समस्त विषयों के नवीन पाठ्यक्रम तथा स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली लागू किए जाने के लिए अध्यादेश तैयार किया गया था। तत्क्रम में शोध अध्यादेश भी शामिल था। इसे कार्यपरिषद् ने अनुमोदित कर दिया है। इसी के आधार पर विश्वविद्यालय ने 2017-18 सत्र से परास्नातक में सेमेस्टर सिस्टम लागू किया है।

• इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में 92 पदों के सापेक्ष आए 3500 आवेदन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में शिक्षकों के पदों पर आवेदन प्रक्रिया पूरी हो गई है। असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर व प्रोफेसर के कुल 92 पदों के सापेक्ष 3500 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। विश्वविद्यालय भर्ती प्रक्रिया जल्द पूरा करना चाहता है। आवेदन पत्रों की स्क्रीनिंग की प्रक्रिया दिसंबर के अंतिम सप्ताह से व साक्षात्कार जनवरी के मध्य तक शुरू करने की योजना है। रजिस्ट्रार डॉ0 साहब लाल मौर्य ने बताया कि शिक्षक पदों पर भर्ती हेतु जिन अभ्यार्थियों ने पूर्व में आवेदन किया था, उन्हें भी पूर्व की फीस के आधार पर दोबारा आवेदन करने को कहा गया था।

• स्नातक व परास्नातक कक्षाओं में प्राइवेट परीक्षा हेतु आनलाइन आवेदन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से प्राइवेट कला एवं वाणिज्य स्नातक एवं परास्नातक करने का अवसर मिलने जा रहा है। वर्तमान सत्र में अधिसूचना जारी हो चुकी है। परीक्षार्थी 10 जनवरी तक आनॅलाइन आवेदन कर सकते हैं। 12 जनवरी शुल्क तक जमा किया जा सकता है । इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर एवं कैंपस से सम्बद्ध महाविद्यालयों में दाखिला लिया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन पत्र 20 दिसंबर से शुरू हो चुके हैं। आवेदन पत्र जमा करने के बाद परीक्षा शुल्क भी ऑनलाइन पेंमेंट गेटवे के माध्यम से जमा कराया जा सकता है। अभ्यर्थी इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन प्राइवेट परीक्षा में जाकर पंजीकरण करा सकते हैं।

बी0ए0 प्रथम वर्ष में शिक्षाशास्त्र, अंग्रेजी साहित्य, हिन्दी साहित्य, इतिहास, राजनीतिशास्त्र, संस्कृत, समाजशास्त्र, उर्दू, प्राचीन इतिहास विषय शामिल हैं। पीजी स्तर पर अंग्रेजी साहित्य, संस्कृत, हिन्दी, उर्दू, गणित, दर्शनशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र, प्राचीन इतिहास एवं मध्यकालीन इतिहास शामिल हैं। स्नातक कक्षाओं में भाषा एवं विषयों के स्तर पर कुछ बाध्यता है। कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि व्यक्तिगत परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थी नियमानुसार वेबसाइट द्वारा आवेदन कर सकते हैं।

• राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं प्राचार्या (24 दिसम्बर, 2017) को किया गया प्रशिक्षित

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में चारों जनपदों (इलाहाबाद, फतेहपुर, कौशाम्बी, प्रतापगढ़) के महाविद्यालयों के कार्यक्रम अधिकारियों को प्रशिक्षित किया। विशेष कार्याधिकारी व विशेष राज्य सम्पर्क अधिकारी डॉ0 सत्येन्द्र बहादुर सिंह ने कार्यक्रम अधिकारियों को कैम्प आयोजित करने, समाज में इन शिविरों के माध्यम से सकारात्मक कार्य करने, विभिन्न पुरस्कारों आदि के बारे में प्रशिक्षित किया। इस अवसर पर उन्होंने एन0एस0एस0 की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने स्वयं सेवकों को उनकी रुचि के अनुरूप कार्य देने की बात कही। इस अवसर पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलसचिव डॉ0 साहब लाल मौर्य, कार्यक्रम समन्वयक डॉ0 उपेन्द्र कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 'महाविद्यालयों' में कार्यक्रम

• 'निराला का व्यक्तित्व एवं साहित्य' विषय पर दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (02 नवम्बर, 2017) में सहभागिता

महिला सेवा सदन डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद मे **'निराला का व्यक्तित्व एवं साहित्य'** विषय पर दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रोफेसर राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद थे। उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष प्रो0 राजेन्द्र कुमार, पूर्व विभागाध्यक्ष, इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद, विशिष्ट अतिथि श्री मनमोहन दास अग्रवाल, प्रो0 राम किशोर शर्मा एवं प्रो0 भरत सिंह मगध विश्वविद्यालय, बोधगया ने दीप प्रज्ज्वलन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत द्वारा किया गया। अतिथियों का अभिनन्दन महिला सेवा सदन महाविद्यालय की प्राचार्या डा0 शीला रानी यादव द्वारा किया गया।

कुलपति प्रो0 प्रसाद ने अपने उद्बोधन में कहा कि निराला का निर्बल, उपेक्षित एवं वंचितों के प्रति अपार स्नेह था। निराला जी की कविता में करुणा की भावना है। निराला ने सदैव वंचितों एवं असहायों की आवाज को अपनी कविता में स्थान दिया। प्रो0 राम किशोर शर्मा ने कहा कि निराला में तुलसी और कबीर दोनों का समाहार है। कविता गिलास का पानी नहीं है कि पिया और समाप्त हो गयी, कविता तो प्यास बढ़ाती है। धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 पार्वती सिंह ने किया एवं सत्र का संचालन डा0 इच्छा नायर ने किया। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो0 कुसुम सिंह, विभागाध्यक्ष हिन्दी ग्रामोदय विश्वविद्यालय, सतना ने की एवं वक्ता प्रो0 भरत सिंह, मगध विश्वविद्यालय बोधगया डॉ0 विवेक निराला व डॉ0 सूर्य नारायण सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद उपस्थित थे।

• "Recent Advances in Parasurgical Procedures" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (13 दिसम्बर, 2017) में सहभागिता

श्री लाल बहादुर शास्त्री स्मारक राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, हण्डिया, इलाहाबाद में महाविद्यालय के स्थापना दिवस एवं पुरा छात्र सम्मेलन के अवसर पर "**Recent Advances in Parasurgical Procedures**" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद थे। प्रो0 रविदत्त त्रिपाठी, पूर्व निदेशक, आयुर्वेदिक सेवायें, उ0 प्र0, लखनऊ, श्री कुलदेव सिंह, एस0डी0एम0, हण्डिया, प्रो0 शिव जी गुप्ता, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी एवं तथा डा0 ओ0 पी0 सिंह, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, सुल्तानपुर, विशिष्ट अतिथिगण के रूप मे मंच पर विद्यमान थे। सर्वप्रथम संस्था की प्राचार्या प्रो0 नीलम गुप्ता द्वारा अतिथियों की स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि प्रो0 प्रसाद ने आयुर्वेद से दुष्प्रभाव रहित चिकित्सा के विषय में विस्तार पूर्वक प्रकाश डालते हुए वैज्ञानिक संगोष्ठी के विषय वस्तु के बारे में शल्य कर्म के स्थान पर किये जाने वाले वैकल्पिक कर्म विधियों यथा क्षारसूत्र तथा अग्नि-कर्म के प्रभाव को जन उपयोगी एवं वैज्ञानिक रूप में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावशील बनाने हेतु रेखांकित किया। इसके अतिरिक्त आयुर्वेदिक फर्मो को जनमानस में लोकप्रिय बनाने हेतु प्रयास करने का सुझाव दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो0 रविदत्त त्रिपाठी ने आयुर्वेद की इन विधाओं को प्रदेश के सभी महाविद्यालयों में प्रयोग में लाने तथा संसाधनों की उपलब्धता हेतु प्राचार्य को प्रयास करने का सुझाव दिया। दूसरे विशिष्ट अतिथि श्री कुलदेव सिंह, एस0डी0एम0, हण्डिया द्वारा आयुर्वेद में किये जा रहे शोध कार्यों को जनसामान्य में प्रसारित करने एवं राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित कराने पर बल दिया। इस अवसर पर एक पत्रिका का विमोचन माननीय अतिथियों द्वारा किया गया। वैज्ञानिक सत्र के विषय-वस्तु की स्थापना डा0 विनोद कुमार ने की। डा0 राकेश मोहन की ओर से सभी अभ्यागतों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। समापन समारोह में पुरा छात्रों एवं महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा इस महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्यों, प्रो0 एस0डी0 उपाध्याय, प्रो0 जयराम यादव, प्रो0 रविदत्त त्रिपाठी, प्रो0 मकसूदन सिंह, प्रो0 जी0एस0 तोमर तथा प्रो0 डी0 एन0 मिश्रा, प्रो0 प्रदीप भारद्वाज एवं प्रो0 विजय पाण्डेय को पूर्व प्राध्यापक के रूप में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय एवं चिकित्सालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी तथा महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्रायें उपस्थित रहें।

'टाउन एवं गाउन' के अन्तर्गत विश्वविद्यालय की सक्रियता

• पुस्तक विमोचन एवं चित्र प्रदर्शनी (02 नवम्बर, 2017) में दिखा कला-कल्पना-साहित्य का संगम

निराला आर्ट गैलरी में तीन दिवसीय छाया व काव्य चित्र प्रदर्शनी 'क्षिति से क्षितिज तक' शुरू हुई। उद्घाटन मुख्य अतिथि डिप्टी जी0ओ0सी0 ब्रिगेडियर ए0के0 त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर अतिथियों ने कवयित्री कमल पालीवाल की कविताओं पर आधारित चित्रात्मक काव्य-संग्रह का विमोचन किया।

मुख्य अतिथि ए0के0त्रिपाठी ने कहा कि इस प्रदर्शनी में कला, कल्पना और साहित्य का अनूठा संगम है। कविताओं के हर शब्द चित्रण प्रेरणा देते हैं। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि छाया-चित्र और कविताओं की जुगलबन्दी सामाजिक सरोकार को दर्शाती है। यश मालवीय ने कहा कि शब्द और छाया-चित्र नई भाषा गढ़ते हैं। प्रदर्शनी में शामिल तकरीबन साठ से अधिक छायाचित्रों और कविताओं में संगम का सौंदर्य दिखा, संगम, परदेसी परिंदों के सुहाने ख्वाब, उनकी उड़ान और चाहत भी बयां हुई। 'तिमिर का सौंदर्य लुभाता रहा तो 'सूखे दरख्तों का संदेश' भी पहुँचा। प्रो0 जे0एन0मिश्र और संजय बनौधा ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर काफी संख्या में दर्शकों ने प्रदर्शनी को देखा और सराहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 धनंजय चोपड़ा ने किया। इस अवसर पर प्रो0 अजय जेतली, प्रो0 रंजना कक्कड़, प्रो0 असीम मुखर्जी, वरिष्ठ छायाकार व कवि अजामिल, डॉ0 रेहाना तारिक, एस0के0यादव, प्रो0 गीता देवी और प्रो0 जे0एन0पाल आदि मौजूद थे।

• एस0 पी0 मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी (एस0पी0एम0आई0टी0) में ''राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस'' कार्यक्रम (11 नवम्बर, 2017) में सहभागिता

एस0पी0एम0आई0टी0 के प्रांगण में राज्य स्तरीय 'बाल विज्ञान काँग्रेस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। प्रो0 प्रसाद ने अपने उद्बोधन भाषण में कहा कि बच्चों में आशा, जिज्ञासा और उत्सुकता जगाने की आवश्यकता है। उनमें सकारात्मक व वैज्ञानिक सोच पैदा करने की जरूरत है तथा डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम व डॉ0 सी0वी0रमन जैसे महान वैज्ञानिकों को अपना आदर्श बनाने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता है। उत्तर प्रदेश के अनेक अंचलों से आये बाल वैज्ञानिकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मानव जाति ने विकास के सोपान चढ़ने में जो सफलता पायी है, उसमें विज्ञान बिना किसी भेदभाव के सभी के लिये उपयोगी होता है। प्रो0 प्रसाद ने कहा कि बच्चों को विज्ञान की सामर्थ्य और सीमायें भी बतलायी जानी चाहिये ताकि वे इसका विध्वंसात्मक नहीं अपितु सृजनात्मक उपयोग करें। सत्र की अध्यक्षता करते हुए एम0पी0एम0आई0टी0 के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य श्री प्रमोद तिवारी जी ने बाल वैज्ञानिकों में उत्साह भरते हुए कहा कि विगत समय में भारत विश्व गुरु था और भविष्य में भी विश्वगुरु बनेगा। श्री तिवारी ने कहा कि यह विज्ञान का चमत्कार ही है कि जहाँ परतंत्र भारत में अकाल और भुखमरी से लाखों लोग मर जाते थे वहाँ आज अनाज भण्डार भरे हैं और हम दूसरों की सहायता भी कर सकते हैं।

बाल विज्ञान काँग्रेस, राज्य आयोजन समिति के संस्थापक अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश एवं बिहार की यूनिसेफ की पूर्व राज्य प्रतिनिधि सुश्री सहबा हुसैन ने कहा कि बाल विज्ञानी व सभी युवा देश के भविष्य हैं। यह उन्हें ही तय करना है कि उन्हें भारत माता को किस दिशा में ले जाना है और उन्हें मार्ग दिखाने का कार्य बाल विज्ञान काँग्रेस कर रही है।

इस अवसर पर प्रो0 डेविड हार्वर (लीवरपूल जानमोर यूनिवर्सिटी, यू0के0), यू0पी0 टेक के डायरेक्टर प्रो0 के0के0भूटानी तथा जवाहर प्लेनेटेरियम के निदेशक श्री प्रमोद पाण्डेय ने भी विचार व्यक्त किये। संस्थान की प्रबन्ध-निदेशक डॉ0 विजय श्री तिवारी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। अन्त में प्रो0ए0के0मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रशान्त कुमार, पवन श्रीवास्तव, संजय प्रजापति, प्रताप सिंह, वसीम अहमद, डॉ0 सन्तोष कुमार, आयुष अंकुर व डॉ0 आशीष श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

• 'यूनिफार्म सिविल संहिता' शीर्षक पर हिन्दुस्तान अकादमी में आयोजित कार्यक्रम (23 नवम्बर ,2017) में सहभागिता

भारत जैसे देश में समान सिविल संहिता लागू करने का मतलब यह नहीं है कि धार्मिक अधिकारों को प्रभावित किया जाएगा। इसका मतलब यह है कि सिविल कानूनों को लेकर धर्म आधारित जो विसंगतियाँ हैं उनको समाप्त किया जा सकेगा। यह उद्‌गार इलाहाबाद हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति विजयलक्ष्मी द्वारा कहा गया। न्यायमूर्ति समान नागरिक संहिता दिवस पर हिन्दुस्तान अकादमी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहीं थीं। ''लैंगिक न्याय और आर्थिक समानता'' विषय पर विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय, विधि संकाय के पूर्व-विभागाध्यक्ष प्रो0 सिद्धनाथ ने कहा कि देश के लिए यूनिफार्म सिविल संहिता बनाया जाना बिल्कुल संभव है। इसके लिए हमें प्रतिबद्ध होने की जरूरत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने दुनिया के विकसित देशों से नसीहत लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि आज भारत के लिए सिविल संहिता बनाना आवश्यक हो गया है। कार्यक्रम के संयोजक अधिवक्ता अनूप बरनवाल ने कहा कि 23 नवम्बर का ऐतिहासिक महत्व है। 23 नवम्बर 1948 को अनुच्छेद 44 संविधान सभा द्वारा पारित किया गया था। आज देश में प्रयाग की धरती से समान नागरिक संहिता दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

कार्यक्रम को धर्मपाल सिंह, अशोक मेहता, एस0एफ0ए0 नकवी, पी0के0 जैन, रविनाथ तिवारी आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन दिलीप तिवारी ने और विषय प्रवर्तन सुभाष राठी ने किया। कार्यक्रम में प्रो0 राजीव रंजन, प्रो0 एस0के0सरोज, नित्य प्रकाश तिवारी, रामकृष्ण मिश्र, मनोज सिंह, पंकल बरनवाल, अवनीश बरनवाल, विशाल सिंह, रमेश द्विवेदी आदि मौजूद थे।

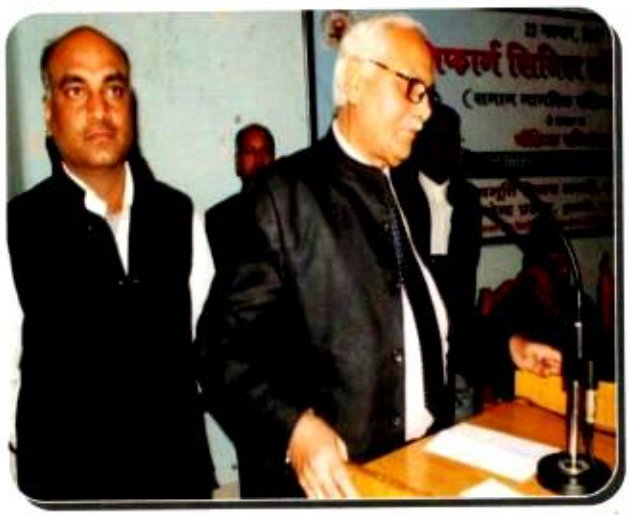

• गीता जयंती के अवसर पर 'गीता, कर्म और कृपा' शीर्षक पर प्रयाग संगीत समिति में आयोजित कार्यक्रम (29 नवम्बर, 2017) में सहभागिता

श्रीमद् भगवदगीता जयंती के पावन अवसर पर 'श्री गीता मिशन फार कास्मिक वेल-बीइंग' की ओर से प्रयाग समिति सभागार में गीता समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अशोक कुमार ने गीता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि गीता का दर्शन मानव कल्याण के लिए है। गीता का अनुशीलन करने वाले व्यक्ति अपना कार्य सही ढंग से करते हैं और ईश्वर की कृपा भी प्राप्त करते हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति, प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने अपने व्याख्यान में कहा कि गीता संकुचित विचारधारा से उठकर आध्यात्मिक जीवन व्यतीत करने की शिक्षा देती है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ0 ऋषिकांत पांडेय ने गीता, कर्म एवं कृपा का अर्थ बताते हुए कहा कि ब्रह्मांड के कल्याण के लिए किए गए कर्म की पवित्रता से ही ईश की कृपा होती है। मनोवैज्ञानिक स्मिता पांडेय ने कहा कि परिणाम की चिंता किये बिना मनुष्य अपना कर्म करता है उसके अंदर कार्यकुशलता और स्वार्थ से ऊपर उठकर कार्य करने वाले को ईश्वर की प्राप्त होती है। मिशन के अध्यक्ष सतीश चंद्र उपाध्याय ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

. 'जापान-भारत संबंध : ऐतिहासिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य' विषयक संगोष्ठी (08 दिसम्बर, 2017) में सहभागिता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा 'जापान-भारत संबंध ऐतिहासिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो0 मिजोकामी टोमियो ने अपने व्याख्यान में कहा कि भारत और जापान में अटूट संबंध हैं। किसी भी देश के भविष्य का भार युवा पीढ़ी के कंधों पर होता है। एशिया के दो महान लोकतांत्रिक देशों में जापान और भारत के भविष्य की निर्माता यही नई पीढ़ी है। दोनों देशों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण कदम युवाओं का आदान-प्रदान है। प्रो0 टोमियो ओसाका यूनिवर्सिटी में डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेन स्टडीज में कार्यरत हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि जापान के साथ संबंध जितना प्रगाढ़ होगा उतना ही पारस्परिक सुरक्षा के लिए सामरिक महत्व बढ़ेगा।

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आर0पी0मिश्र ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय में विदेशी भाषा का विभाग खुलना चाहिए और जापानी भाषा का प्रचार-प्रसार यहाँ भी होना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एम0पी0दुबे ने की। अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में उन्होंने कहा कि जापान में **'नमस्ते इंडिया'** फेस्टिवल मित्रता का सबसे बड़ा उदाहरण है। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 रामजी मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो0 जी0एस0शुक्ल ने किया।

• 'शिल्प-बाजार' के उद्घाटन समारोह (16 दिसम्बर, 2017) में सहभागिता

भारतीय महिला ग्रामोद्योग संस्थान, इलाहाबाद की ओर से दस दिवसीय गांधी शिल्प-बाजार का आयोजन के0पी0कॉलेज मैदान में हुआ। उपमुख्यमंत्री, उ0प्र0सरकार केशव प्रसाद मौर्य और इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने दीप जलाकर मेले का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे मेले का आयोजन नियमित रूप से होना चाहिए। हाथ से बने सामानों के विपणन का यह बाजार सर्वश्रेष्ठ प्लेटफार्म है। भारतीय महिला ग्रामोद्योग संस्थान के निदेशक एन0पी0 सिंह ने कहा कि बाजार में ग्राहकों को सस्ते सामान मिलेंगे। हस्त-शिल्पियों को सीधे उनके उत्पादों की कीमत मिलेगी। उद्घाटन समारोह में कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) सेवा केन्द्र, इलाहाबाद के सहायक निदेशक आई0पी0सिंह, हस्तशिल्प प्रवर्धन अधिकारी तान्या ने आयोजन की सराहना की। समारोह में संजय सिंह, एस0पी0 सिंह, के0पी0सिंह, वी0पी0सिंह, अजय सिंह आदि मौजूद रहे।

• 'महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर' के 'लोकमणिलाल उत्कृष्टता पुरस्कार' समारोह में (16 दिसम्बर, 2017) में सहभागिता

महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर समिति, इलाहाबाद देश के समर्पित शिक्षकों को **'लोकमणिलाल उत्कृष्टता पुरस्कार'** से सम्मानित करती आयी है। इस शृंखला में महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर ने अपना सातवाँ लोकमणिलाल उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह एम0पी0वी0एम0-गंगागुरूकुलम के विवेकानन्द प्रेक्षागृह में आयोजित किया। मुख्य अतिथि के रूप में कर्मण्य, प्रतिष्ठित कैबिनेट मंत्री (पर्यटन, महिला एवं बाल कल्याण) डॉ0 रीता बहुगुणा जोशी ने अपने पति श्री पी0सी0 जोशी के साथ उपस्थित होकर समारोह को गौरवान्वित किया। विशेष अतिथि के रूप में प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय एवं श्री राम शंकर ज्वांइट डायरेक्टर/हेड सी0बी0एस0ई0 सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस फॉर टीचर्स (सी0ओ0ई0) रायबरेली तथा माननीय न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) श्री गिरिधर मालवीय जी ने प्रेसाइडिंग अधिकारी के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में श्री रवीन्द्र गुप्ता, श्री यशोवर्धन, श्रीमती रेखा गुप्ता वैद्य, श्री अभिमन्यु एवं श्रीमती सुदीप्ति गुप्ता तथा अन्य सम्मानित शासकीय

निकाय सदस्य उपस्थित रहे। एम0पी0वी0एम0 समिति के सभी विद्यालयों के प्राचार्य तथा शहर के अन्य सम्मानित गणमान्य अतिथि उपस्थित रहें।

प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने अपने वक्तव्य में कहा, ''मैं इस भव्य प्रोग्राम में यहाँ अपनी उपस्थिति को गौरवशाली मानता हूँ । उन्होंने कहा कि यहाँ जितने भी पुरस्कार विजेता शिक्षक हैं, सभी राष्ट्र के मौन किन्तु प्रभावी स्तम्भ हैं। पूरी शिक्षा व्यवस्था परीक्षा और परीक्षण के दौर से गुजर रही है। ज्ञान, बुद्धिमता एवं सूचना के समवेत प्रयास की आवश्यकता है।'' उन्होंने "सुबह हमीं से आयेगी" प्रस्तुति की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पूर्ण सत्य है कि युवा वर्ग ही क्रान्ति लाकर परिस्थितियों में परिवर्तन ला सकता है। हम विभिन्न प्रकार के ज्ञान, सूचना से बच्चों का बौद्धिक एवं वैयक्तिक विकास कर रहे हैं। हमें आज सुशासन, यानी उत्तम समर्पित नागरिकों की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के समापन सत्र में गंगा गुरूकुलम् की प्रधानाचार्या श्रीमती अल्पना डे ने गणमान्य अतिथियों द्वारा कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने हेतु हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कैबिनेट मंत्री डॉ0 रीता बहुगुणा जोशी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुये कहा कि इस पुरस्कार समारोह में ही नहीं अपितु विद्यालय के उत्तरोत्तर विकास में आपका अभूतपूर्व सहयोग रहा है, उन्होनें इस कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक सदस्य एवं सभागार में उपस्थित सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

• पं0 रामचन्द्र मिश्रा मेमोरियल पब्लिक स्कूल के 'वार्षिकोत्सव' समारोह (17 दिसम्बर, 2017) में सहभागिता में

मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर नन्हें विद्यार्थियों ने स्वच्छता संदेश, जल संरक्षण पर नाट्य-कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मुख्य कार्यक्रम नर्सरी से कक्षा दो तक के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया। इसकी शुरूआत स्वागत नृत्य से हुई। छात्राओं ने लोकनृत्य प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने फ्लावर डांस, स्कूल चलें हम आदि प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का समापन **'पिंगा डांस'** से हुआ। संचालन रितिका मिश्रा एवं शुभी त्रिपाठी ने किया। अतिथियों का स्वागत सुभाष मिश्रा ने किया।

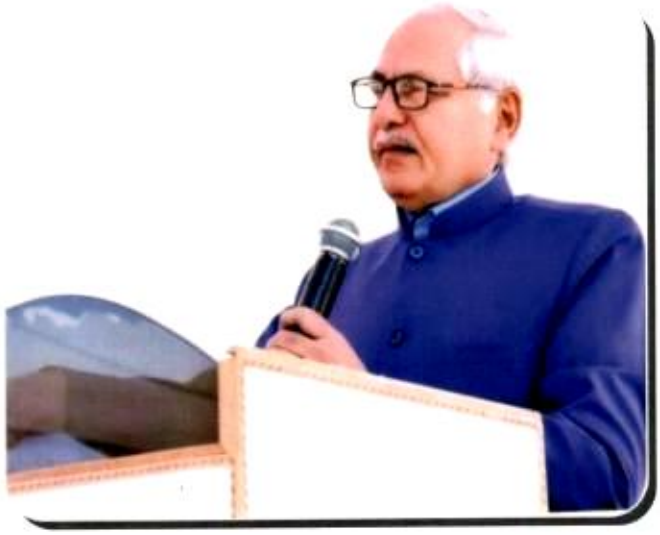

• आर्य कन्या इंटर कालेज (इंग्लिश मीडियम) के 'वार्षिकोत्सव' समारोह (18 दिसम्बर, 2017) में सहभागिता

आर्य कन्या इंटर कालेज इंग्लिश मीडियम का वार्षिकोत्सव सम्पन्न हुआ। कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग की सचिव वन्दना त्रिपाठी, अपर नगर आयुक्त ऋतु सुहास, प्रबंधक पंकज जायसवाल ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। छात्राओं ने नृत्य से मन मोह लिया। प्राचार्या उर्मिला श्रीवास्तव, प्राधानाचार्य सुधा श्रीवास्तव, प्रिंसिपल कोकिला शुक्ला आदि मौजूद थीं।

• ''यूथ जेंडर चैंपियन प्रशिक्षण'' कार्यक्रम (23 दिसम्बर, 2017) में सहभागिता

कुलभाष्कर आश्रम पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से **''यूथ जेंडर चैंपियन प्रशिक्षण''** कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में युवा जुटे और 50 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 ज्योतिशंकर ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 शशिकान्त त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में नेहा नायडू, अंशुमालि शर्मा, गुड्डू जैदी, डॉ0 रीना आनंद, रवेन्द्र सिंह जादौन एवं डॉ0 उपेंद्र ने विभिन्न विषयों पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।

• 'मानस संगम के 49वें वार्षिकोत्सव' समारोह (24 दिसम्बर, 2017) में सहभागिता

महाराजा प्रयाग नारायण शिवाला प्रांगण, कानपुर में साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था मानस संगम का 49वाँ वार्षिक समारोह संगीत और कविताओं से जीवंत हो उठा। संगीत साधकों ने जहाँ सुर-सरिता बहाई वहीं कवियों ने गीतों से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर देश-विदेश के साहित्यानुरागियों को सम्मानित भी किया गया। समारोह की अध्यक्षता रामकथा वाचक उमा शंकर व्यास ने की ।

समारोह में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने अपने व्याख्यान में कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस से उस दौर में भारतीय संस्कृति का परचम लहराया जब देश में मुगलों का साम्राज्य था। मुख्य अतिथि (अवकाश प्राप्त) न्यायमूर्ति वी0के0दीक्षित ने हिन्दी के सर्वाधिक उपयोग पर बल दिया। समारोह में हिन्दी विज्ञान लेखन के लिए डॉक्टर शिव गोपाल मिश्र को मानस संगम साहित्य सम्मान, विशिष्ट साहित्य सम्मान पूर्व बैंकिग लोकपाल जी0सी0 अग्रवाल, महिला उत्थान के लिए ललिता प्रदीप और ओसाका विश्वविद्यालय जापान की हिन्दी विभाग की पूर्व प्रवक्ता डॉ0 यास्मीन सुल्ताना नकवी को दिया गया। अन्तर्राष्ट्रीय वार्षिक पत्रिका-2017 मानस संगम के साथ साहित्यिक पत्रिका प्रज्ञावेणु विमर्श, प्रेम ग्रंथ और **'शून्य से शीर्ष तक'** का लोकार्पण भी किया गया। स्वागत महापौर प्रमिला पाण्डेय, संचालन डॉ0 प्रदीप दीक्षित ने किया। संयोजक डॉक्टर बद्री नारायण तिवारी ने आभार प्रकट किया। इस अवसर पर प्रयाग नारायण तिवारी 'मुकुल', प्रबंधक अभिनव तिवारी, एडवोकेट सुरेंद्र प्रताप सिंह, मनोज नारायण तिवारी सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन, महिलायें और युवावर्ग उपस्थित थे।

• 'भारतरत्न महामना पं. मदनमोहन मालवीय जी के 156वें जन्मदिन' समारोह (25 दिसम्बर, 2017) में सहभागिता

अखिल भारतीय मालवीय सभा, प्रयाग के तत्वावधान में भारतरत्न महामना पं. मदनमोहन मालवीय जी के 156वां जन्मदिन के पावन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज के हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 अनुपम आनन्द विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की शुरुआत वेद पाठ से हुई, जिसके बाद हर्ष चतुर्वेदी ने मृदंग वादन से सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया । अपने संबोधान में डॉ0 अनुपम आनंद ने महामना के शिक्षा के क्षेत्र में योगदान को सराहा, उन्होंने युवाओं से महामना के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया।

अपने उद्‌बोधान में प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने शिक्षा के व्यवसायीकरण पर चिंता व्यक्त की और सभी से आग्रह किया कि समाज में व्याप्त इस कुरीति को दूर करें। उन्होंने परीक्षाओं में नकल माफियाओं के बढ़ते प्रभाव को रोकने पर जोर दिया और सही ढंग से पाई गई शिक्षा की उपयोगिता बतायी। कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षक प्रो. ओम प्रकाश मालवीय को शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए **'मलावश्री'** सम्मान से अलंकृत किया गया। कु. निष्ठा मालवीय को 'योगेश सम्मान' दिया गया। अन्य मेधावी छात्र एवं छात्राओं को भी अनेक पुरस्कार दिये गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री हरि मोहन मालवीय ने की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रुचि दूबे ने किया।

हिन्दुस्तान

चित्र प्रदर्शनी में दिखा कला कल्पना-साहित्य का संगम

वार्षिक परीक्षा को ऑनलाइन आवेदन शुरू

इलाहाबाद। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में बीए, बीएससी, बीकॉम द्वितीय वर्ष और एमए, एमएससी, एमकॉम द्वितीय वर्ष की वार्षिक संस्थागत परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए संबंधित महाविद्यालयों की कॉलेज लॉगिन 15 दिसंबर तक खुली रहेगी।

राज्य विवि में बैक पेपर 17 को

इलाहाबाद। राज्य विश्वविद्यालय की वार्षिक संस्थागत/व्यक्तिगत परीक्षा की बैक पेपर परीक्षा 17 नवंबर को दो पालियों में होगी। ... परीक्षा-2017 के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि के बाद पूर्ण हो चुकी है। ...

10 तक जमा होंगे ऑनलाइन आवेदन

इलाहाबाद। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में सत्र 2017-18 की संस्थागत भूतपूर्व परीक्षा-2018 के लिए ऑनलाइन आवेदन 10 दिसंबर तक लिए जाएंगे। कुलसचिव डॉ. साहब लाल मौर्य के अनुसार परीक्षा शुल्क 12 दिसंबर तक जमा किया जा सकता है।

निरस्त परीक्षा अब 17 नवंबर को

इलाहाबाद। फतेहपुर के धर्मपाल सिंह चंदेल महाविद्यालय, गोपालपुर अढ़ौली में सामूहिक नकल के आरोप में निरस्त की गई बीए प्रथम वर्ष की संस्कृत के पहले पेपर की परीक्षा अब 17 नवंबर को होगी। राज्य विवि के कुलसचिव डॉ. साहब लाल मौर्य के अनुसार परीक्षा का आयोजन फतेहपुर के अमर शहीद ... महाविद्यालय ... में सुबह आठ से 11 बजे के बीच किया जाएगा।

एएसयू क्रिकेट टीम की कमान मिली समीर को

बैंक पेपर परीक्षा के लिए केंद्र निर्धारित

इलाहाबाद। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय एवं संबद्ध समस्त महाविद्यालयों में सत्र 2016-07 की वार्षिक संस्थागत/व्यक्तिगत परीक्षा की बैक पेपर परीक्षा 17 नवंबर को दो पालियों में आयोजित की जानी है। इसके लिए केंद्रों का निर्धारण कर दिया गया है। इलाहाबाद के अभ्यर्थियों को के लिए हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय महाविद्यालय नैनी, कौशाम्बी के छात्रों के लिए भवंस मेहता डिग्री कॉलेज कौशाम्बी, फतेहपुर के लिए महात्मा गांधी कॉलेज फतेहपुर और प्रतापगढ़ के छात्रों के लिए प्रताप बहादुर पीजी कॉलेज प्रतापगढ़ को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

चयन ट्रायल 24 व 25 को

इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की एथलेटिक्स टीम का चयन किए जाने के लिए 24 व 25 नवंबर को चयन ट्रायल का आयोजन किया गया है। ...

बोलीं न्यायमूर्ति विजयलक्ष्मी, सिविल संहिता से खत्म होंगी धर्म आधारित विसंगतियां

'देश में यूनीफाइड संहिता का होना आवश्यक'

मानव कल्याण के लिए है गीता का दर्शन

एएसयू में बीएमएस की परीक्षाएं 14 से

इलाहाबाद। इलाहाबाद राज्य विवि (एएसयू) की बीएमएस एवं बीएएमएस सत्र 2016-17 की प्रथम व्यावसायिक की परीक्षा 14 दिसंबर से ... परीक्षा नियंत्रक डॉ. साहब लाल मौर्य के अनुसार ...

निराला की कविता में करुणा की भावना

जापान जा सकेंगे भारतीय विद्यार्थी

इलाहाबाद | प्रमुख संवाददाता

जल्द दौड़ेगी बुलेट ट्रेन

विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र

एएसयू के जूडो टीम का होगा चयन ट्रायल आज

इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के सभी विद्यार्थियों के लिए जूडो महिला व पुरुष टीम का चयन ट्रायल शुक्रवार को होगा। यह ट्रायल इविवि के साइंस ब्लाक के तरण ताल पर होगा। प्रतिभाग करने के इच्छुक विद्यार्थी अपराह्न चार बजे रिपोर्ट करें। यह जानकारी क्रीड़ा सचिव ...

'स्कॉलर इन रेजिडेंस' को हरी झंडी

राज्य विधि कार्यपरिषद की बैठक में यूजी-पीजी के नए पाठ्यक्रम को भी अनुमति

व्यक्तिगत परीक्षा के लिए मांगे ऑनलाइन आवेदन

इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के स्नातक प्रथम वर्ष व परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की व्यक्तिगत परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। यह परीक्षा सत्र 2016-2017 के विद्यार्थियों के लिए होगी।

स्नातक द्वितीय वर्ष व परास्नातक अंतिम वर्ष की भी व्यक्तिगत परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन इलाहाबाद, प्रतापगढ़, फतेहपुर व कौशांबी परिक्षेत्र के विद्यार्थी 20 दिसंबर से कर सकेंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 10 जनवरी 2018 है। परीक्षा शुल्क, नियम व शर्तों से संबंधित अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.alldstateuniversity.org पर देखा जा सकता है।

एएसयू में परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन 20 से

लोकनृत्य से छात्राओं ने मोह

एएसयू का यूजी-पीजी पाठ्यक्रम बदला

अब स्नातक व परास्नातक में ... से होंगी द्वितीय व तृतीय वर्ष की परीक्षाएं

एएसयू में परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन 20 से

जनवरी से शुरू होंगी राज्य विश्वविद्यालय की परीक्षाएं

Allahabad State University

MISSION STATEMENT

The prime mission of Allahabad State University is set to provide integrated approaches of local, regional, national and global opportunities for Higher Learning, research and engagement to the diverse sets of student population. The University intends to offers a full range of degree programmes at the Bachelor, Master, doctoral, post-doctoral and professional levels, coupled with the entire domain and scope of research and other creative activities.

GOALS

Allahabad State University is inclined to provide quality higher education to the younger generation, and intends to emerge as a " world class" multi-disciplinary global institution encompassing various branches and frontiers of higher learning and research in the entire domain, range and scope of "knowledge power". The University will envolve a student profile comparable with national and global (public and private) institutions of Higher Education by creating an environment in which students success in diverse areas can be seen to the optimum level. It will also fulfill the skill development and professional needs of creating a strong regional and state workforce, while emerging as a primary engine of social, economic and intellectual development in India in the Age of Globalization.

The University is also set to embark upon the path of realising its endeavors and accomplishments, coupled with the ability of the students and faculty to build a resource base of highest order.

As its primary goal, the Allahabad State University is dedicated to becoming a nationally and globally recognized institution in the 21st century along with the shared universal values of humanity at large. Accordingly, it is engaged to utilise its material, human and other resources for :

- Imparting higher education to fulfill the diverse needs of student community, including foreign students.
- Promoting excellence within the entire domain, range and scope of higher education and professional studies.
- Meeting cultural and other challenges to our nation-building and eventually augmenting the quality of life in the urban and rural areas through teaching, learning, advanced research and multi-dimensional activities.